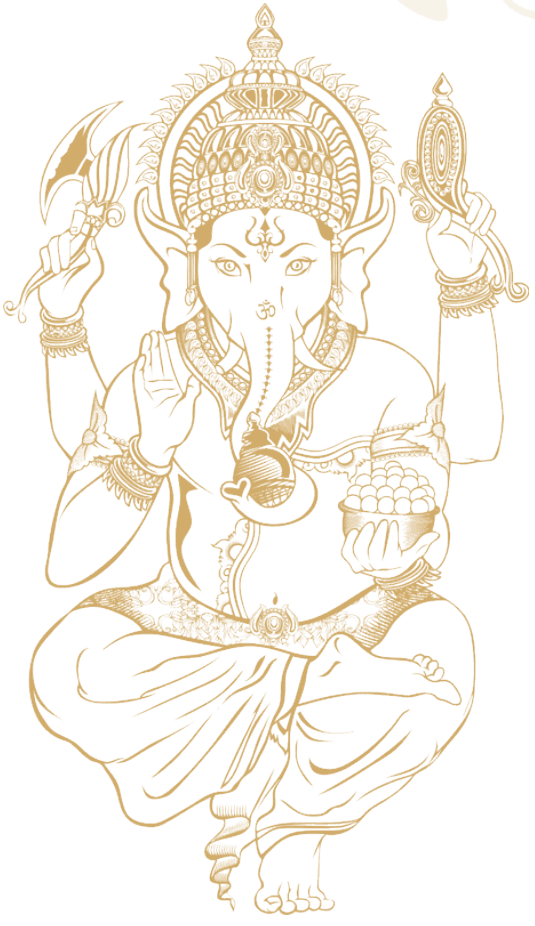

Mr pushpank

Yashu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119418211

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/11/1996	जन्म तिथि	27/10/1995
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:26:00	जन्म समय	19:00:00 घंटे
घटी 01:56:12	जन्म समय(घटी)	31:13:14 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:39:31	सूर्योदय	06:30:42
17:35:15	सूर्यास्त	17:44:19
23:48:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 5मा 11दि		01:17:29	वृश्चि	लग्न	वृष	03:41:43	बुध 5वर्ष 10मा 0दि	
राहु		22:07:40	तुला	सूर्य	तुला	09:51:18	शुक्र	
21/04/2010		14:44:09	कन्या	चंद्र	वृश्चि	25:25:29	27/08/2008	
20/04/2028		10:59:15	सिंह	मंगल	वृश्चि	11:00:23	27/08/2028	
राहु	01/01/2013	25:48:35	तुला	बुध	कन्या	23:48:11	शुक्र	27/12/2011
गुरु	27/05/2015	20:09:49	धनु	गुरु	वृश्चि	21:20:12	सूर्य	26/12/2012
शनि	02/04/2018	17:48:14	कन्या	शुक्र	तुला	27:39:15	चन्द्र	27/08/2014
बुध	20/10/2020	07:21:40	मीन व	शनि व	कुंभ	24:44:38	मंगल	27/10/2015
केतु	07/11/2021	13:45:50	कन्या व	राहु व	तुला	02:41:48	राहु	27/10/2018
शुक्र	07/11/2024	13:45:50	मीन व	केतु व	मेष	02:41:48	गुरु	27/06/2021
सूर्य	02/10/2025	07:11:11	मक	हर्ष	मक	02:54:48	शनि	27/08/2024
चन्द्र	03/04/2027	01:27:20	मक	नेप	धनु	29:06:49	बुध	28/06/2027
मंगल	20/04/2028	08:31:07	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	05:39:31	केतु	27/08/2028

लग्न-चलित

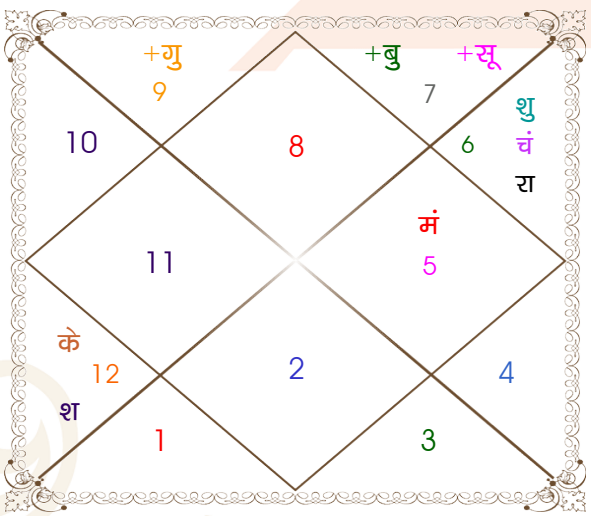

लग्न-चलित

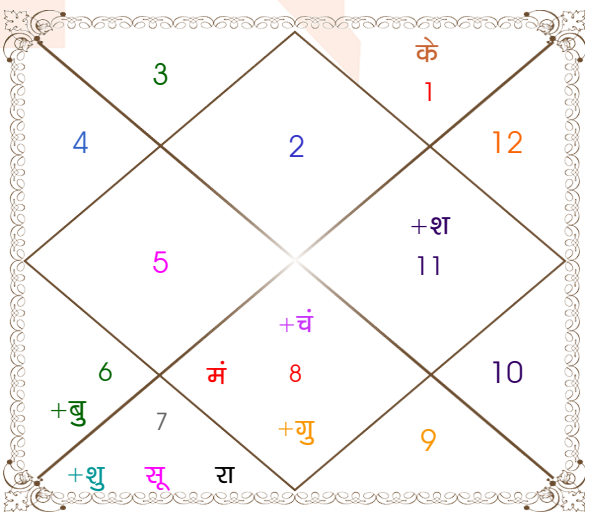

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

डत चनौचंदा का वर्ग मेष है तथा लैन का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत चनौचंदा और लैन का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डत चनौचंदा मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

लैन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल लैन कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र लैन कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डत चनौचंदा कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत चनौचंदा तथा लैन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।